Japanese investment in India

4712. SHRIMATI VEENA VERMA: Will tne PRIME MINISTER be pleased to state;

(a) whether Government's atten tion hag been drawn to the report which appeared in the Financial Ex press, dated July 30, 1992 captioned "Japanese Investors still sceptical of reforms"; and

(b) if so, what is Government's res ponse to the reported Japanese Inves tors apprehensions that 'enough attention is sot being paid to the problems of the existing joint ventures' to remove such apprehensions?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) and (b) Yes, Sir. However, the reported Japanese investors' scepticism of India's new reforms is not substantiated by the figures of approvals given for direct foreign investment by Japanese companies, as indicated below: —

Year	Total foreign investment envisaged in foreign collaboration approvals with Japanese firms
1990	Rs. 5 crores
1991	Rs. 52·7 crores (10 *times over* 1990)
1992 (Upto July)	Rs. 375·58 crores (7 *times over* 1991)

These figures of higher investment over the years indicate greater Japanese interest in India's new economic reforms.

लघु उद्योग विकास संगठन में स्थानांतरण

4713. श्री गोपाल सिंह जी, सोलंकी : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या लघु उद्योगों के अंतर्गत उद्योग विकास संगठन में स्थानांतरण संबंधी कोई मानदण्ड हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और आयु संबंधी सीमाएं क्या हैं; और

(ग) क्या इन मानदंडों की उपेक्षा करके किसी व्यक्ति के संबंध में छट दी गई है ; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय (लघु उद्योग और कृषि तथा ग्रामीण उद्योग विभाग) में राज्य मंत्री तथा वाणिज्य मंत्रालय) में राज्य मंत्री (श्री पी. जे. कुरियन) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) लघु उद्योग विकास संगठन (एस० आई० डी० ओ०) के कार्यालय लगभग सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में हैं। इन कार्यालयों में लगे कर्मचारियों का स्थानांतरण सरकार के मौजूदा मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार होता है। लेकिन छोटे ग्रेडों में कार्यरत कर्मचारियों को कठिनाइयों को कम से कम करने के लिए देश को 6 (छः) क्षेत्रों में विभाजित किया गया है और जहां तक संभव होता है, स्थानांतरण क्षेत्र के भीतर ही किए जाते हैं। लेकिन श्रेणी–1 अधिकारियों के मामले में उन्हें एक ही क्षेत्र के भीतर नियुक्त करना हमेशा संभव नहीं होता है और

कभी-कभी उन्हें देश में कहीं भी स्थानांतरित करना पड़ता है। जहां तक आयु से संबंधित प्रतिबंध का संबंध है, प्राय: ऐसे व्यक्तियों का स्थानांतरण नहीं किया जाता है जिनके सेवानिवृत्त होने में 3 वर्ष होते हैं और उन्हें केवल तभी स्थानांतरित किया जाता है जब उन्हें किसी उच्च पद पर पदोन्नत किया जाए अथवा जन सेवा में अत्यावश्यक हो अथवा उन्होंने इसका स्वयं अनुरोध किया हो। प्राय: सभी स्थानांतरण मौजूदा मान दण्डों के अनुसार किए जाते हैं। किन्तु आपवादिक मामलों में प्रशासनिक आधार पर अथवा अनुकंपा के आधार पर स्थानांतरण किए जाते हैं।

औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन

4714. **श्री विनोद शर्मा** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कौन-कौन से औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन में गिरावट में आई है ; और

(ख) किन-किन औद्योगिक क्षेत्रों के उत्पादन में वृद्धि हुई है तथा उनकी वृद्धि दर क्या क्या है ?

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा शाही) : (क) और (ख) विवरण–I तथा विवरण–II संलग्न है।

विवरण–I

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की प्रतिशत विकास दरें
(अंतिम)

कोड ग्रुप	उद्योग समूह	1990–91 की तुलना में 1991–92	
		% वृद्धि (+)	% कमी (-)
प्रभाग 20–21	खाद्य उत्पाद	3.4	
22	मादक पेय, तंबाकू एवं उत्पाद	13.0	
23	सूती वस्त्र	1.4	
25	पटसन, सूतली और मेस्टा वस्त्र		-4.1
26	वस्त्र उत्पाद		-5.8
27	लकड़ी एवं लकड़ी के उत्पाद, फर्नीचर एवं फिक्चर		-6.7
28	कागज तथा कागज उत्पाद	3.6	
29	चमड़ा एवं पशुलोम उत्पाद		-6.9
30	रबड़, प्लास्टिक, पैट्रोलियम एवं कोयला		-1.2
31	रसायन तथा रसायन उत्पाद	2.4	
32	अधात्विक खनिज	6.1	
33	मूल धातु एवं धातुमिश्र उद्योग	5.5	
34	धातु उत्पाद और पुर्जे		-7.0
35	मशीनें, मशीनी औजार और पुर्जे		-4.0
36	वैद्युत मशीनें		-10.3
37	परिवहन उपकरण तथा पुर्जे		-2.9